SCERT Kerala · Class 10 · Hindi

Hindi Part 1

PADIKAM
िहंदी
भाग I - इकाई 1 से 3
संपूण अध्ययन नोट्स · कक्षा 10 · SCERT के रल 2025 पाठ्यक्रम

िवषय-सूची
इकाई 1-3 की सात रचनाएँ: सरल सारांश, भाव, पात्र, भाषा-अध्ययन और परीक्षा अ ास।
1. खड़की
इकाई 1 - सफ़रो ं की जुगलबंदी · लघुकथा
2. ि ज़ंदगी का सफ़र
इकाई 1 - सफ़रो ं की जुगलबंदी · हाइकु
3. रैन बसेरे म...
इकाई 1 - सफ़रो ं की जुगलबंदी · यात्रावृत्त
4. मेरी दुिनया के तमाम बे
इकाई 2 - बालमन और समाज · किवता
5. ाइट कै प
इकाई 2 - बालमन और समाज · कहानी
6. ि दी म उनीदं े
इकाई 3 - अनुभव और ि वनम्रता · संस्मरण
7. मधुर वचन और एक ि तनका
इकाई 3 - अनुभव और ि वनम्रता · नीितपरक काव्य
कै से पढ़
पहले सार पढ़, ि फर अपने शब्दों म सुनाएँ। हर मुख्य ि वचार को घटना या ि बंब से जोड़ और अंत म ि बना देखे परीक्षा-प्रों के उत्तर द।
आिधकारक पाठ्यपुस्तक
https://scert.kerala.gov.in/class-x/

इकाई 1 - सफ़रो ं की जुगलबंदी · पाठ 1
खड़की
लघुकथा · अंजू खरबंदा
त्वरत सार
रेल-यात्रा म एक युवती शॉल बेचती है। यात्री मोल-भाव करते ह, पर कथावाचक उसकी थकान और आँखों की नमी देखकर अपने ि पता को याद करता है, जो रेलगाड़ी म सामान बेचकर परवार चलाते थे। खड़की से बाहर देखते हुए वह श्रम, गरीबी और मनुष्य की गरमा को नए ढंग से समझता है।
मुख्य ि वचार
मेहनतकश व्यक्त को के वल ि वक्रे ता नही,ं एक मनुष्य के रूप म देखना चािहए।
एक अनुभव पुरानी स्मृित को जगाकर दृिष्टकोण बदल देता है।
अनावश्यक मोल-भाव ि कसी गरीब कामगार की कि ठनाई बढ़ा सकता है।
खड़की बाहरी दृश्य के साथ मन के भीतर खुलती संवेदना का भी प्रतीक है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
लघु घटना और अंत म स्मृित का प्रभावशाली मोड़
आँखों की नमी ारा ि पता और युवती का भावात्मक संबंध
संवादों से स्वाभािवक रेल-यात्रा का वातावरण
लेखन अ ास
कथावाचक का आत्मकथ्य
युवती की डायरी
घटना-वणन
श्रम की गरमा पर अनुेद

परी-प्रश्न
1. कथावाचक को अपने िपता की याद ों आती है?
2. शीषक “खड़की” का सांके ितक अथ िलखए।
3. कहानी पाठक की दिष्ट म ा परवतन लाती है?
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 1 - सफ़रो ंकी जुगलबंदी · पाठ 2
िज़ंदगी का सफ़र
हाइकु · हाइकु-संग्रह
त्वरत सार
छोटे-छोटे हाइकु जीवन और यात्रा के क्षणों को बहुत कम शब्दों म पकड़ते ह। रास्ता, समय, प्रकृ ित और मनःित िमलकर बताते ह िक जीवन ठहराव नही,ं िनरंतर अनुभव और परवतन की यात्रा है।
मुख्य िवचार
क्षण म भी गहरा जीवन-अथ िछपा हो सकता है।
प्रकृ ित मनुष्य की भावनाओं का दपण बनती है।
यात्रा बाहरी दूरी के साथ आंतरक िवकास भी है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
संिक्षप्तता और संके त
प्रकृ ित-बंब
कम शब्दों म अनेक अथ और पाठक की कल्पना के िलए ान
लेखन अ ास
एक दृश्य पर तीन पंक्तयों का हाइकु
िबंब और भाव की पहचान
हाइकु का सरल भावाथ
यात्रा पर लघु अनुेद
परी-प्रश्न
1. हाइकु की प्रमुख िवशेषताएँ ा ह?
2. प्रकृ ित-बंब भाव को कै से गहरा बनाता है?
3. िकसी एक हाइकु का भाव अपने शब्दों म िलखए।
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 1 - सफ़रो ंकी जुगलबंदी · पाठ 3
रैन बसेरे म...
यात्रावृत्त · यात्रावृत्त
त्वरत सार
नमदा पदयात्रा के दौरान वषा के कारण अमृतलाल वेगड़ और छोटू एक गाँव के मंिदर-बरामदे म रात िबताते ह। वहाँ मानिसक असंतुलन से जूझता एक व्यक्त उ डराता, सामान जाँचता और स्वयं को अिधकारी बताता है। लेखक के िशक्षक होने का पता चलते ही उसके भीतर दबा गुरु-सान जाग उठता है; वह पैर दबाता, बीस पैसे का िसा देता और सुबह क्षमा माँगकर चरण छूता है।
मुख्य िवचार
मानवीय संार िविक्षप्त अवा म भी पूरी तरह नष्ट नही ंहोते।
िशक्षक के प्रित सान भयावह रात को अनोखी स्मृित बना देता है।
यात्रा अपरिचत व्यक्त और परित को समझने का अवसर देती है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
तारों और वषा से आरंभ होता जीवंत ान-वणन
भय से करुणा और सान तक मनोभाव का परवतन
बीस पैसे का िसा स्मृित और गुरु-सान का प्रतीक
लेखन अ ास
यात्रा-वणन
घटना पर डायरी
अपरिचत व्यक्त का चरत्र-चित्रण
गुरु-सान पर अनुेद
परी-प्रश्न
1. उस व्यक्त का व्यवहार अचानक ों बदलता है?
2. लेखक बीस पैसे का िसा ों सँभालकर रखता है?

3. यह रात लेखक के िलए अपूव सान का अनुभव कै से बनती है?
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 2 - बालमन और समाज · पाठ 4
मेरी दुिनया के तमाम बे
किवता · किवता
त्वरत सार
किव अपनी दुिनया के सभी बों को प्रेम, सुरक्षा, िशक्षा और सपनों का समान अिधकार देता है। बों के बीच जात, वग, भाषा या देश की दीवारों को अस्वीकार करके किवता एक ायपूण और ेहपूण संसार की कल्पना करती है।
मुख्य िवचार
हर बा समान सान और अवसर का अिधकारी है।
बालमन सीमाओं से मुक्त रचनात्मक भिवष्य का प्रतीक है।
समाज की प्रगित बों की सुरक्षा और िशक्षा से मापी जानी चिहए।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
समावेशी संबोधन
पुनरुक्त से भाव की दृढ़ता
भिवष्य और आशा के िबंब
लेखन अ ास
किवता का भावाथ
बाल-अिधकार पर भाषण
पोस्टर-संदेश
िकसी बे के दृिष्टकोण से पत्र
परी-प्रश्न
1. “तमाम बे” कहने का महत्व ा है?
2. किवता िकस प्रकार के संसार की कल्पना करती है?
3. बाल-अिधकार से जुड़े दो संदेश िलखए।
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 2 - बालमन और समाज · पाठ 5
ाइट कै प
कहानी · कहानी
त्वरत सार
प्रवासी मजदूर परवार का के शव क्रिके ट खेलना चाहता है, पर कॉलोनी के लड़के उसे टीम म नही ंलेते और के वल गद ढूँढ़ने के काम म लगाते ह। छत पर गई नई गद लाने के प्रयास म वह िगरकर गंभीर रूप से घायल हो जाता है। लड़कों को अपनी स्वाथपूण क्रू रता का एहसास होता है; वे अस्पताल जाते ह, खेल-सामग्री देते ह और लौटते समय उसे टीम की ाइट कै प पहनाते ह।
मुख्य िवचार
गरीबी और प्रवासी पहचान के कारण बे को खेल और िमत्रता से वंिचत करना अ ाय है।
के शव का साहस उन बों की संवेदना जगाता है जो पहले उसका मज़ाक उड़ाते थे।
क्षमा और स्वीकार से समूह का व्यवहार बदल सकता है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
क्रिके ट-सामग्री और ाइट कै प का प्रतीकात्मक उपयोग
उपेक्षा से अपराधबोध और स्वीकार तक स्पष्ट चरत्र-परवतन
के शव के सपने और वास्तिवक ित का िवरोध
लेखन अ ास
के शव का चरत्र-चित्रण
टीम कप्तान की डायरी
कहानी का समाचार-रूप
खेल म समान अवसर पर भाषण
परी-प्रश्न
1. लड़के के शव को टीम से बाहर ों रखते ह?
2. दुघटना के बाद उनका मनोभाव कै से बदलता है?
3. ाइट कै प सान और स्वीकार का प्रतीक कै से बनती है?
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 3 - अनुभव और िवनम्रता · पाठ 6
िदी म उनींदे
संस्मरण · संस्मरण
त्वरत सार
लेखका िदी म ऑटो चालक राजा राम से िमलती है। लगातार खाँसी से पीिड़त राजा राम चौदह वष से ऑटो को ही घर बनाकर जी रहा है। गाँव म गरीबी, अंधे िपता, िगरे हुए घर और काम की कमी उसे शहर लाए। रिडयो साक्षाार के दौरान उसका जीवन भोजन और भूख, घर और बेघरी के बीच बँटे एक ही शहर की दो अलग दुिनयाएँ सामने लाता है।
मुख्य िवचार
एक ही शहर म सुिवधा और अभाव के िबु ल अलग मौसम मौजूद ह।
बेघर व्यक्त की मेहनत िदखाई देती है, पर उसका जीवन और बीमारी अक्सर अनदेखी रह जाती है।
साक्षाार आँकड़े को मनुष्य की आवाज और अनुभव म बदल देता है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
ऑटो-यात्रा से साक्षाार तक िवकिसत संस्मरणात्मक रचना
खाँसी, आईना, कटोरा और ऑटो जैसे यथाथपरक िववरण
अन्न-भूख तथा घर-बेघरी का प्रभावशाली िवरोध
लेखन अ ास
राजा राम का चरत्र-ि चत्रण
रिडयो साक्षाार
बेघरता पर रपोट
सरकार को औपचारक पत्र
परी-प्रश्न
1. राजा राम ऑटो को अपना घर ों कहता है?
2. “एक ही शहर म दो अलग मौसम” का आशय स्पष्ट कीजए।
3. लेखका की दिष्ट इस मुलाकात से कै से बदलती है?
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।

इकाई 3 - अनुभव और िवनम्रता · पाठ 7
मधुर वचन और एक ितनका
नीितपरक काव्य · दोहा और किवता
त्वरत सार
“मधुर वचन” िवनम्र और िहतकारी भाषा की शक्त बताता है। “एक ितनका” म छोटा-सा ितनका आँख म पड़कर मनुष्य का अहंकार तोड़ देता है। दोनों रचनाएँ िमलकर िसखाती ह िक कोमल वाणी, नम्रता और आत्मसंयम जीवन को बेहतर बनाते ह।
मुख्य िवचार
मधुर भाषा संबंध बनाती है, कठोर भाषा दूरी पैदा करती है।
छोटी घटना भी बड़े अहंकार को चुनौती दे सकती है।
िवनम्रता कमजोरी नही,ं आत्मबोध का परणाम है।
सिाहत्य और भाषा-अध्ययन
दोहा म सं िक्षप्त नीित-संदेश
ितनके का प्रतीक
िवडंबना ारा अहंकार पर चोट
लेखन अ ास
दोहों का भावाथ
मुहावरे और समानाथ शब्द
िवनम्र वाणी पर भाषण
किवता की घटना का गद्य रूप
परी-प्रश्न
1. मधुर वचन का सामिाजक महत्व ा है?
2. ितनका अहंकार का नाश कै से करता है?
3. दोनों रचनाओं का साझा संदेश िलखए।
एक िमनट म याद कर: िबना देखे कथासार या क ीय भाव, दो मुख्य िवचार और एक िशल्प-िवशेषता बोल।